निस्कार्ट फादर एग्नल, वैशाली

हिंदी अभ्यास पत्रिका -२०१७-१८

माह - दिसबंर, कक्षा - 8

प्रश्न 1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए |

तप का अर्थ 'तपना' | तपने में महान कष्ट होता है | चाहे वह अग्नि में , धूप में , पुस्तको में , गृह कार्यो या व्यापारों आदि किसी में तपना जो | तप एक महान साघना जिसमे महान सतना है जिसमें महान कष्ट उठाने पड़ते है | किसी भी क्रिया को करने के लिए मन , वाणी एवं शरीर तीनों को लगाना पड़ता है | जो व्यक्ति सत्य भाषण करता है उसका हृदय प्रबल रहता है | वह बड़े गौरव के साथ अपनी बात कहा सकता है ; किन्तु असत्य भाषण करने वालो की आत्मा निर्बल रहती है | वे सर्वदा संकोचमय एवं भयभीत रहती है | सनातन धर्म भी यही है की हम सत्य बोले ; परन्तु वह सत्य प्रिय हो , अप्रिय सत्य भी नही बोलना चाहिए | मनुष्य में विनय , औदार्य , साहस , चरित्र बल आदि गुणों का विकास सत्य मार्ग पर पद रखने से होता है | सूक्तिकार ने 'साँच बराबर ताप नहीं' सूक्ति में तप की सिद्धि को ही सत्य कहा है | जीवन में कठिन कार्यो की सिद्धि बिना सत्य के जो ही नही सकती | सूक्तिकार के स्थान में झूठ पाप की श्रेणी में आता है | सत्यनिष्ठ व्यक्ति संसार में अमर हो जाते है और स्वर्ग के अधिकारी होते है |

(क) तपना को साधना क्यों कहा गया है ?
(ख) तप किसे कहेंगे और क्यों ?
(ग) सित तथा असत्य बोलने में क्या अंतर होता है ?
(घ) सत्य मार्ग पर पैर रखने से क्या होता है ?
(ङ) सूक्तिकार शब्द से प्रत्यय अलग कीजिए और उसी प्रत्यय से एक नया शब्द बनाइए |

प्रश्न 2 - दिए गए चित्र को देखकर उसका वर्णन कीजिए |

प्रश्न -3 निम्नलिखित विषय पर संवाद लिखिए |

1 जनसख्या नियंत्रण पर दो छात्रों के मध्य संवाद |

2 परिवार के साथ होटल में हुए व्रतांत को संवाद के रूप में लिखिए |

प्रश्न - 4 दिए गए विषय पर अनुच्छेद लिखिए |

- नैतिकता का गिरता स्तर
- प्रतियोगिता का महत्त्व

काव्यांश

प्रश्न 5 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

जिस–जिससे पथ पर स्नेह मिला उस–उस राही को धन्यवाद।
जीवन अस्थिर, अनजाने ही हो जाता पथ पर मेल नहीं
सीमित पग–डग, लंबी मंजिल तय कर लेना कुछ खेल नहीं
दाएँ–बाँए सुख–दुख चलते सम्मुख चलता पथ का प्रमाद
जिस–जिससे पथ पर स्नेह मिला उस–उस राही को धन्यवाद।
जो साथ न मेरा दे पाए उनसे कब सूनी हुई डगर
मैं भी न चलूँ यदि तो भी क्या राही मर, लेकिन राह अमर
इस पथ पर वे ही चलते हैं जो चलने का पा गए स्वाद
जिस–जिससे पथ स्नेह मिला उस–उस राही को धन्यवाद।

1 कवि के अनुसार जीवन कैसा है |

2 जीवन रूपी यात्रा में अनुभव कैसे आते है ?

3 जीवन रूपी डगर पर कौन चलते है ?

4 कवि किसको धन्यवाद करता है ?

5 इस पद्यांश के लिए उचित शीर्षक चुनिए ?

बाज और साँप

- साँप की गुफा कहाँ थी वह गुफा में बैठा क्या देखा करता था |
- नदी कहाँ बहती थी ? यह कहाँ को भागी जा रही थी ?
- साँप ने अपने कथन बाज साहसी है की नहीं ?
- साँप की गुफा और उसके आसपास की रमणीयता का संक्षिप्त वर्णन कीजिए |
- साँप और बाज के स्वभाव में क्या अंतर था ?
- बाज मरकर हमारे लिए क्या सन्देश छोड़ जाता है ?
- साँप की दीनचर्या तथा सोच के आधार पर उसे कैसा प्राणी कहा जा सकता है |
- लहरों ने किसकी प्रशंसा में गीत गाया | गीत का भाव क्या था ?
- घायल बाज द्वारा उड़ने के प्रयास का क्या परिणाम रहा ? अपनी शब्दों में लिखिए ?
- साँप की दिनचर्या का वर्णन कीजिए | उसके लिए सबसे बड़ा सुख क्या था ?
- बाज मरकर भी हमारे लिए क्या सन्देश छोड़ गया ?
- उड़ने में असफल साँप ने पक्षियों और आकाश के बारे में क्या राय बना ली |

पद परिचय

पद परिचय के उदाहरण दीजिए -

- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला ने ध्वनि कविता की रचना की |
- मनोज इस विद्यालय में आठवी कक्षा में पढता है |
- कोई आया है ?
- मोहन आया और पढने बैठ गया |
- वह और चलता गया |
- दूसरा आदमी कौन है |
- ऐसो से बात करना ठीक नहीं |
- कुछ लोग बहुत परिश्रमी होते है |
- मयंक पतंग उड़ा रहा है |
- डाकिया पत्र लाता है
- यह पुहार मै तुम्हे नहीं दे सकता हूँ|
- उपवन में सुन्दर फूल खिले है |
- पल्लवी प्रतिदिन पार्क में जाती है |
- छोटा बच्चा धीरे-धीरे चलता है |
- परिश्रम के बिना सफलता नहीं मिलाती है